

मक्का की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म – विगर आमुक्ता

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	मक्का की खेती के लिए गर्म वातावरण और अच्छी धूप की आवश्यकता होती है। पौधे की बड़वार के समय तपमान 25–30 डिग्री सेल्सियस उपयुक्त होता है।
2	मिट्टी	अच्छी जल निकासी वाली उपजाऊ बलुई और दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। PH मान 5.8 से 7.0 के बीच होना चाहिए।
3	खेती की तैयारी	2–3 बार गहरी जुताई (हल या कल्टीवेटर) से करें और पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी और खेत को समतल कर लें। अंतिम जुताई के समय गोबर की सड़ी हुई खाद 4–6 टन प्रति एकड़ मिलाएँ।
4	बीज दर प्रति एकड़	7–8 kg प्रति एकड़
5	बुवाई का समय	खरीफ में 15 जून से 15 जुलाई तक रबी में 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक
6	पौधे से पौधे की दूरी	20 से 25 सेंटीमीटर
7	कतार से कतार की दूरी	60 से 75 सेंटीमीटर
8	उर्वरक	NPK की मात्रा मिट्टी परीक्षण के आधार पर तय करें। समान्यता प्रति एकड़ नाइट्रोजन फास्फोरस और पोटाश की सही मात्रा दें। बुवाई के समय फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा दें और नाइट्रोजन की एक तिहाई मात्रा दें एवं शेष दो भाग बुवाई के 20–25 दिन बाद एवं 40–45 दिन बाद खड़ी फसल में दें।
9	सिंचाई	आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें विशेष रूप से मंजरी और बाली निकलते समय पानी की कमी न होने दें।
10	खरपतवार नियंत्रण	बुवाई के तुरंत बाद (अंकुरण से पहले) एट्राजीन या एलाक्लोर जैसे खरपतवार नाशक का छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	किसान भाई अपने नजदीकी कृषि अधिकारी या कृषि सलाहकार से सलाह लें। उनको खेत में रोग को दिखाकर सही कीट नाशक एवं फफूंद नाशक का छिड़काव करें।
12	फसल पकने की अवधि	100–105 दिन में फसल तैयार हो जाती है।
13	कटाई	जब मक्के के दाने कठोर हो जाएँ और नमी 15–20% के आसपास हो तो फसल काट लें।
14	कटाई के बाद भंडारण	मक्के के दानों को अच्छी तरह सुखाकर 11–12% नमी हो जाने पर सुरक्षित भंडारण करें।

विगर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड

ग्राम- तराना, तहसील सांवेर, जिला इन्दौर (म.प्र.)